

## बोधिवृक्ष-4042



### जैतिया की पहाड़ियां

पूर्वी मेघालय राज्य में स्थित हैं जैतिया की पहाड़ियां। विरल आबादी वाले इस पर्वतीय क्षेत्र की औसत ऊंचाई 9 सौ मीटर से अधिक

है। यहां आमतौर पर भारी वर्षा होती है। ये पहाड़ियां सघन वनों से ढंकी रहती हैं। यहां बेहतरीन लकड़ी का उत्पादन होता है। लेकिन उद्योगों की कमी है। कोपिली नदी, जो इस क्षेत्र की सबसे लंबी धारा है, पथरीली और द्रुत

है। और इसके रास्ते में कई दर्शनीय जलप्रपात हैं। यहां दुर्लभ वन्य जीवों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं।

जैतिया पहाड़ियों के निवासी प्राथमिक रूप से जैतिया जनजाति के लोग हैं, जो पश्चिम में रहने वाले खासी लोगों की तरह ही भारत के पहले मंगोल प्रवासियों के वंशज माने जाते हैं। 19 वीं शताब्दी तक इन लोगों में प्रशासन की त्रि-स्तरीय प्रणाली थी। ब्रिटिश शासन काल के दौरान यह प्रणाली खत्म हो गई और आजादी के बाद इसके स्थान पर जनजातीय मामलों की जिला परिषद का गठन किया गया और अन्य मामलों की देखरेख के लिए एक भारतीय अधिकारी की नियुक्ति की गई। कुछ हद तक अलगाव के कारण जैतिया लोग अपनी मातृसत्तात्मक संस्कृति को बचाए रखने में काफी हद तक सफल रहे हैं। वे अब भी झूम खेती करते हैं और आलू यहां की प्रमुख फसल है। हालांकि भारत सरकार के स्थायी कृषि को बढ़ावा देने का प्रयास किया है, जिसमें कुछ हद तक सफलता मिली है।

### कबीर वाणी

सतगुरु की माने नहीं, अपनी कहे बनाय। कहैं कबीर क्या कीजिये, और मता मन माय।।

जो सद्गुरु के यथार्थ ज्ञान की बात नहीं मानता, अपनी उल्टी-सीधी बातों को गढ़-छीलकर कहता है, कबीर कहते हैं कि ऐसे मनुष्य से क्या करिएगा, उसके मन में तो कुछ और ही विचार है।

## The English Corner

### Proverbs

#### All in good time

Be patient. Things will happen when the time is right.

#### It takes all sorts to make a world

People vary in character and abilities, and this is a good thing.

#### No man can serve two masters

It's impossible to follow instructions from two different sources.

#### Out of sight, out of mind

We tend to forget people or things that we do not see.

### Phrasal Verbs

A phrasal verb is a verb followed by a preposition or an adverb; the combination creates a meaning different from the original verb. Below you will find a list of phrasal verbs in alphabetical order with their meaning and an example of use.

**find out-** Discover or obtain information  
*I'm going to call the cinema to find out what time the film starts.*

## Synonyms and Antonyms

### constitution (noun)

the set of qualities that makes a person, a group of people, or a thing different from others the question of whether violent conflict is part of the constitution of human society

**Synonyms-** character, clay, colors, complexion, nature, genius, personality, self, tone

2. the type of body that a person has that a marathon runner is known more for her strong constitution than for her speed

**Synonyms-** build, physique, figure, form, frame, habit, shape

3. a collection or system of rules of conduct our society's constitution requires that every member in good standing pay yearly dues

**Synonyms-** canon, code, decalogue, law

4. a rule of conduct or action laid down by a governing authority and especially a legislature the constitution against murder is universal among civilized societies

**Synonyms-** act, bill, law, enactment, ordinance, statute

**Near Antonyms-** higher law



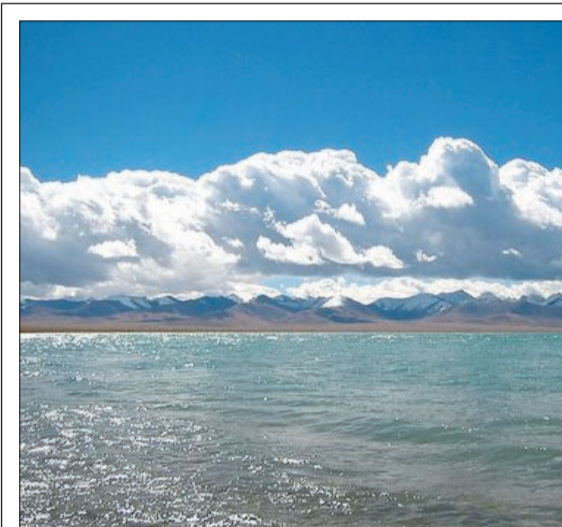
### मिसाइलों के प्रकार

प्रक्षेपण के आधार पर मिसाइलों के प्रकार इस प्रकार हैं-

1. सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल।
2. सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल।
3. सतह (समुद्र-तट) से समुद्र में मार करने वाली मिसाइल।
4. हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल।
5. हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल।
6. समुद्र से समुद्र में मार करने वाली मिसाइल।
7. समुद्र से सतह (तट) पर मार करने वाली मिसाइल।
8. टैंक रोधी मिसाइल।

### आशफल

आशफल (Nephelium Longana) एक प्रकार का औषधीय पौधा है। विभिन्न भाषाओं में नाम में इसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है जैसे कि -हिंदी-आशफल, कोल भिल्ल-उम्ब, मराठी-उम्ब, बुम्ब, बंगला-आशफल, तमिल-पूवटी, कन्नड़-मलेह कूट, लैटिन-नेफेलियम, लोंगाना। यह पाचनशक्तिवर्द्धक, पौष्टिक और पेट के कीड़ों को नष्ट करने वाला होता है। इसमें सेपालिन नामक तत्व पाया जाता है।



### नम त्सो

नम त्सो या नमत्सो, जिसे मंगोल भाषा में तेन्गी नोर (अर्थ-तेन्गी/स्वर्ग की झील) भी कहते हैं, तिब्बत की एक पर्वतीय झील है। यह तिब्बत के ल्हासा विभाग के दमझुंग ज़िले और नगछु विभाग के पलमोन (बैनगोइन) जिले की सरहद पर स्थित है। इसका पानी खारा है। लगभग 15 हजार फुट पर स्थित यह झील दुनिया की सबसे ऊंची खारी झील है और चिंगहई झील के बाद तिब्बत के पठार की दूसरी सबसे बड़ी झील है।

चिंगहई झील के बाद नमत्सो तिब्बत के पठार की दूसरी सबसे बड़ी झील है। 1950 में तिब्बत पर कब्जा करने के बाद चीन की सरकार ने प्रशासनिक रूप से उसका विभाजन कर दिया इसलिए अब चिंगहई झील औपचारिक रूप से तिब्बत स्वाशासित प्रदेश में नहीं बल्कि चिंगहई प्रान्त में आती है। इस कारणवश नमत्सो तिब्बत स्वाशासित प्रदेश की सबसे बड़ी झील भी कहलाती है। नमत्सो में 5 द्वीप हैं लेकिन इन पर कोई नहीं रहता।

इनके अलावा कुछ पत्थर की चट्टानें भी सतह से ऊपर दिखती हैं। सर्दियों में झील की सतह पर बर्फ की मोटी तह जम जाती है जिस पर चलकर द्वीपों तक जाना सम्भव हो जाता है। अक्सर तिब्बती बौद्ध तीर्थयात्री अपना खाना साथ ले जाकर इन द्वीपों पर जाकर ध्यान लगाते हैं। पुराने जमाने में कुछ भिक्षु पूरी गर्मी-भर बर्फ पिघलने के बाद कई महीने द्वीपों पर ही कठिन परिस्थितियों में रहते थे, लेकिन अब चीनी सरकार ने यह प्रथा वर्जित कर दी है।

नमत्सो का सबसे बड़ा द्वीप झील के पश्चिमोत्तरी कोने में है और 2,100 मीटर लम्बा और 800 मीटर चौड़ा है। झील की सतह की तुलना में द्वीप के बीच में 100 मीटर (330 फुट) की ऊंचाई है। यह द्वीप झील के छोरे से लगभग 3.1 किमी दूर है। झील का सबसे दूर-दराज टापू झील के किनारे से लगभग 5.1 किमी दूर है। द्वीपों पर गर्मियों में भिन्न घासें उगी होती हैं और कुछ पक्षी वहां जाकर ठहरते हैं। न्येनचेन थंगल्हा पर्वतमाला के क्षेत्र में मौसम अचानक बदल जाता है। इसलिए झील के इलाके में कभी-कभी यकायक बर्फबारी होनी शुरू हो जाती है।

### चिकनगुनिया

चिकनगुनिया लंबे समय तक चलने वाला जोड़ों का रोग है जिसमें जोड़ों में भारी दर्द होता है। इस रोग का उम्र चरण तो मात्र 2 से 5 दिन के लिए चलता है, लेकिन जोड़ों का दर्द महीनों या हफ्तों तक तो बना ही रहता है।

चिकनगुनिया विषाणु एक अर्बोविषाणु है जिसे अल्फा विषाणु परिवार का माना जाता है। यह मानव में एडिस मच्छर के काटने से प्रवेश करता है। यह विषाणु ठीक उसी लक्षण वाली बीमारी पैदा करता है जिस प्रकार की स्थिति डेंगू रोग में होती है। अमेरिका में वैज्ञानिकों ने चिकनगुनिया के लिए एक टीका विकसित करने का दावा किया है।

### आज का इतिहास 23 जून

- \* 1868 - क्रिस्टोफर लैथम शॉल्स टाइपराइटर को पेटेंट कराया गया।
- \* 1953 - जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की कश्मीर में कैद के दौरान अस्पताल में मौत हो गई।
- \* 1980 - भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बड़े पुत्र संजय गांधी एक विमान दुर्घटना में मारे गए।
- \* 1994 - संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने दक्षिण अफ्रीका की सदस्यता को मंजूर किया, उत्तरी कोरिया द्वारा परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाए जाने की घोषणा।
- \* 1995 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 50 वर्ष के इतिहास में 100 वां प्रस्ताव (साइप्रस में शांति सैनिकों की अवधि बढ़ाने के संबंध में) पारित किया।
- \* 2008 - प्रसिद्ध बंगाली अभिनेता सौमित्र चटर्जी को दादा साहब फाल्के पुरस्कार देने के लिए चयन समिति ने सिफारिश की। टायन बनाने वाली देश की प्रमुख कम्पनी जेके टायर इण्डिया लिमिटेड ने मैक्सिको की टायर कम्पनी टोर्नल व उसकी सहायक कम्पनियों सहित 270 करोड़ डॉलर का अधिग्रहण किया। नेपाल की मौजूदा सरकार ने संयुक्त राष्ट्र मिशन की अर्वाधि बढ़ाने की मंजूरी दी।
- \* 1934 - गांधीवादी विचारक और सामाजिक कार्यकर्ता चण्डी प्रसाद भट्ट का निधन हुआ।
- \* 1761 - महान मराठा पेशवा बालाजी बाजीराव का निधन हुआ।

भारत में हर साल बड़ी संख्या में लोग चिकनगुनिया से प्रभावित होते हैं। टेक्सास विश्वविद्यालय की अगुवाई में एक टीम ने यह शोध किया है। शोध के अनुसार प्रयोगशाला में टीके की सिर्फ एक ही खुराक चूहे पर अपना प्रभाव दिखाने में सफल रही।

### पहला स्वदेश निर्मित फ्लोटिंग डॉक

20 जून, 2017 को वाइस एडमिरल डीएम देशपांडे की पत्नी अंजलि पांडे ने काटुपल्ली, चेन्नई में भारतीय नौसेना के पहले स्वदेश निर्मित फ्लोटिंग डॉक (एफडीएन-2) का जलावतरण किया। यह एलएंडटी शिपबिल्डिंग द्वारा चेन्नई स्थित काटुपल्ली शिपयार्ड में निर्मित किया गया। फ्लोटिंग डॉक (एफडीएन-2) एक स्वदेशी डिजाइन और प्लेटफॉर्म है जिसमें आर्ट मशीनरी और नियंत्रण प्रणाली लगी है। जिसके द्वारा 8 हजार टन विस्थापन के युद्धपोतों को डॉक करने की क्षमता है। इसमें उन्नत ऑटोमेटेड ब्लास्ट कंट्रोल सिस्टम के साथ उच्च क्षमता वाला ब्लास्ट पंप भी है। इस डॉक में एफडीएन-2 के साथ नई प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया गया है जो खराब मौसम की स्थिति में मरम्मत और अन्य गतिविधियों को सुविधाजनक बनाता है।

### क्या है वज्र योजना

केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक अनूठी योजना वज्र (विजिटिंग एडवांस्ड ज्वाइंट रिसर्च) शुरू की है, जिससे विदेश में रहने वाले वैज्ञानिक भारतीय प्रयोगशालाओं और शैक्षिक संस्थानों में अंशकालिक कार्य के जरिए भारत के विकास में योगदान दे सकेंगे।



इस सिलसिले में केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने एक वेब पोर्टल जारी किया है।

इस पोर्टल से न केवल भारत को अपने संस्थानों की ग्लोबल रैंकिंग बढ़ाने में मदद मिलेगी, बल्कि देश को सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान कर्मी मिल सकेंगे। वज्र योजना के शुरू होने के साथ ही मंत्रालय ने भारतीय मूल के वैज्ञानिकों सहित शोध विदेशी वैज्ञानिकों को भारतीय संस्थानों में आमंत्रित करने की योजना बनाई है। इस योजना के अंतर्गत वज्र एगु विदेशी संकाय सदस्य एक वर्ष में तीन महीने तक भारत में रह सकेंगे। उन्हें पहले महीने में 15 हजार डॉलर तथा दूसरे और तीसरे महीने में प्रति माह 10 हजार अमरीकी डॉलर दिए जाएंगे।

- \* 1914 - राजनेता तथा समाज सुधारक गंगाप्रसाद वर्मा का निधन हुआ।
- \* 1971 - भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी और पाकिस्तान में प्रथम उच्चायुक्त श्रीप्रकाश का निधन हुआ।
- \* 1980 - भारत के चौथे राष्ट्रपति वी.वी. गिरी का निधन हुआ।
- \* 1937 - अंग्रेज भूविज्ञानी तथा पुराजल वायु विज्ञानी निकोलस शैक्लेटन का जन्म हुआ, जिन्होंने यह पता लगाने में मदद की कि कार्बन डाईऑक्साइड भी हरितगृह प्रभाव (ग्रीनहाउस इफेक्ट) के लिए उत्तरदाई गैसों में से एक है। उन्होंने प्राचीनकाल में हुई जलवायु परिवर्तनों पर भी काम किया। (निधन-24 जनवरी 2006)
- \* 1904 - अमेरिकी मानव विज्ञानी केल्टेन कून का जन्म हुआ, जिन्होंने सांस्कृतिक और भौतिक मानव-विज्ञान तथा पुरातत्वविज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन्होंने जीवाश्मों पर अध्ययन किया तथा उनसे मानवविज्ञान के अध्ययन में मदद मिली। (निधन-6 जून 1981)
- \* 1988 - अमेरिकी मनोवैज्ञानिक हेनरी एलेक्जेंडर म्यूर का निधन हुआ जिन्होंने मनुष्य के व्यक्तित्व के विकास पर सिद्धांत दिया कि मनुष्य का व्यक्तित्व उसकी जन्मजात आवश्यकताओं तथा उसके भौतिक और सामाजिक पर्यावरण से उसके सम्बन्ध पर निर्भर करता है। (जन्म-13 मई 1893)
- \* 1881 - जर्मन वनस्पति विज्ञानी मैथियस जैकब श्लेडेन का निधन हुआ, जिन्होंने सबसे पहले ये सिद्धांत दिया कि पौधे कोशिकाओं से निर्मित होते हैं। श्लेडेन ने पौधों की वृद्धि तथा उनकी आन्तरिक संरचना पर सूक्ष्मदर्शी द्वारा अध्ययन किया। (जन्म-5 अप्रैल 1804)।